

3.11.2015

पुनः (100 २००) के पत्रावली काज लक्षि
के लेने का विवेक करते के पत्रावली पत्र
इके पुनः (100 २००) ककत उफला अय
कि उक्त प्रकृत मे गान्तः 339 डि० 20.6.25
अय अजय की पालना कृती करी है
लिखत प्रकृत मे ककविही होय की पाली है
पत्रावली फल अय के अय के कयके
अय तकमील जाह्य दाखिल दख्य है

✓
पत्रावली अधिकारी
बलवन्त

आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।

आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।
आपका पत्र मिला है।
2015/11